PD-306-CV-19

M.A. 3rd Semester

Examination, Dec.-2020

HINDI

BHARTIYA KAVYASHASTRA

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 80**

[Minimum Pass Marks : 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खंड–अ

प्रश्न.1 निम्नलिखित में से किन्ही दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में उत्तर दीजिएः– 1x10

(क) साहित्य और काव्य एक है, अथवा भिन्न है

(ख) काव्य के सौन्दर्य कारक धर्मो को अलंकार कहते है'' यह कथन किसका है।

(ग) कलाओं में सर्वप्रथम कला कौन सी है?

(घ) अलंकार सम्प्रदाय के प्रथम आचार्य कौन है?

(ड) कविता के तत्व कौन कौन से है?

(च) साधारणीकरण क्या है?

(छ) अभिनव भारती के रचनाकार का नाम बताइए?

(ज) 'काव्यालंकार सूत्र' किसकी रचना है। रचनाकार का नाम बताइए।

(झ) औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक का नाम बताइए।

(ञ) वक्रोक्ति के छः भेदो के नाम लिखिए।

(ट) शब्द शक्तियों के नाम लिखिए।

(ठ) संचारी भाव किसे कहते है?

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिएः– 2x5

(क) औचित्य और अलंकार (ख) साधारणीकरण

(ग) वक्रोक्ति सम्प्रदाय (घ) अलंकारो के भेद

(च) रीति एवं प्रवृत्ति (छ) ध्वनि एवं रस

(ज) प्रभाववादी

खण्ड–ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिएः 15x4

प्रश्न 3 काव्य के विभिन्न लक्षणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

रसांगो का विवेचना कीजिए।

प्रश्न 4 अलंकारो का काव्य में क्या स्थान है? विवेचना करते हुए अलंकार सिद्धांत की प्रमुख विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रीति' काव्य की आत्मा है' इस कथन को समझाइए।

प्रश्न 5 वक्रोक्ति सिद्धांत के अवधारणा का परिचय देते हुए उसके शब्दार्थ तथा भेदो का विवेचन कीजिए।

अथवा

क्षेमेन्द्र के औचित्व तत्व का विवेचना कीजिए तथा यह भी स्पष्ट कीजिए कि क्या औचित्व तत्व काव्य की आत्मा का पद ले सकता है?

प्रश्न 6 मनोविश्लेषण वाद से क्या आशय है? उस विचार धारा के प्रमुख विचारक और उनके योगदान की चर्चा कीजिए।

अथवा

आलोचना की परिभाषा देतें हुए पाठयक्रम में निहित विभिन्न आलोचको के विचारो पर प्रकाश डालिए।